www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर...

3 बच्चों के 'विलेन' न बनें पैरेंट्स...

4 बनारस बार में उपाध्यक्ष पद पर राहुल...

वर्ष: 10 | अंक: 66 | दिल्ली, सोमवार, 29 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह ने अरुण जेटली और रतन टाटा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली और प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में जेटली को एक अद्वितीय संवैधानिक और कानूनी विशेषज्ञ एवं एक उत्कृष्ट वक्ता के रूप में याद किया, जिन्होंने एक सांसद के रूप में एक अमिट विरासत छोड़ी। शाह ने कहा कि जेटली को कई ऐतिहासिक कानूनी मुद्दों में उनके योगदान के लिए याद किया जाएगा। शाह ने कहा, अपनी कुशाग्र कानूनी सूझबूझ से पार्टी को मजबूत करने में उनकी समर्पित भूमिका समय की हर कसौटी पर खरी उतरेगी। गृहमंत्री ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि टाटा ने ईमानदारी और करुणा के साथ भारतीय उद्यम को नया रूप दिया। टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शाह ने कहा, स्वदेशी उद्योग के निर्माण से लेकर निस्वार्थ परोपकार तक, उन्होंने यह साबित कर दिया कि सच्ची सफलता राष्ट्र की सेवा में निहित है। उनकी विरासत आत्मनिर्भर भारत को प्रेरित करेगी।

दिल्ली में 20 हजार जवान संभालेंगे नए साल का मोर्चा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। नए साल के स्वागत के लिए राष्ट्रीय राजधानी पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं। शनिवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इस बार कड़ी नजर रखी जाएगी। नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली की सड़कों, बाजारों और मॉल के आसपास दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लगभग 20,000 जवान तैनात रहेंगे। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाली भीड़ को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रवेश द्वारों पर हर वाहन की जांच की जाएगी। कनॉट प्लेस, हौज खास और प्रमुख शॉपिंग मॉल्स के आसपास विशेष नाकेबंदी की गई है। रणनीतिक स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया टीमें तैनात रहेंगी। ट्रैफिक पुलिस ने खतरनाक ड्राइविंग और स्टंटबाजी रोकने के लिए सख्त योजना बनाई है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान के लिए पुलिस बड़े पैमाने पर ब्रेथ एनालाइजर का इस्तेमाल करेगी। अधिकारियों ने साफ किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने या खतरनाक स्टंट करने पर वाहन को तुरंत जब्त कर लिया जाएगा। कनॉट प्लेस के 'इनर सर्कल' में केवल वैध स्टिकर वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस होटल, गेस्ट हाउस और रैन बसेरों की लगातार चेकिंग कर रही है।

बिहार के जमुई में मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतरे, रेल यातायात बाधित

जमुई (एजेन्सी)। बिहार के जमुई जिले में एक मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण हावड़ा-पटना-दिल्ली रेल मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की अब तक कोई सूचना नहीं है। पूर्व रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना शनिवार रात करीब 11 बजकर 25 मिनट पर पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल अंतर्गत लाहाबन और सिमुलतला रेलवे स्टेशन के बीच हुई। इसके कारण करीब 24 ट्रेन का परिचालन प्रभावित हुआ, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि आसनसोल, मधुपुर और झाझा स्टेशनों से दुर्घटना राहत ट्रेन घटनास्थल पर भेजी गई हैं। उन्होंने बताया कि पटरियों से क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने और रेल यातायात को बहाल करने के लिए कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। पूर्व रेलवे के अधिकारी ने बताया कि मालगाड़ी के डिब्बों के पटरी से उतरने से मार्ग अवरुद्ध होने के कारण कई एक्सप्रेस और अन्य यात्री ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है और कई को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है।

शांति विधेयक को मोदी सरकार के सबसे बड़े विज्ञान सुधारों में से एक के रूप में इतिहास में याद किया जाएगा-डॉ. जितेंद्र सिंह

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने यहां एक मीडिया साक्षात्कार में कहा कि शांति विधेयक को मोदी सरकार के सबसे बड़े विज्ञान सुधारों में से एक के रूप में इतिहास में याद किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि यद्यपि संसदीय भाषण परंपरागत रूप से जन कल्याणकारी योजनाओं और शासन संबंधी उपायों पर केंद्रित रहा है लेकिन राष्ट्र का दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक स्वरूप विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सुधारों से अधिकाधिक निर्धारित होगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का तीसरा कार्यकाल, मोदी 3.0 की विशेषता साहसिक, बुनियादी सुधार है जिसमें विज्ञान, नवाचार और उद्यमिता पर विशेष जोर दिया गया है।

मंत्री ने कहा कि शांति विधेयक विज्ञान आधारित सुधारों को राष्ट्रीय परिवर्तन के केंद्र में रखकर परंपरा से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक को मोदी सरकार के सबसे महत्वपूर्ण विज्ञान सुधारों में से एक के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य के विकास, उद्योग और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर इसके निर्णायक प्रभाव के बावजूद भारत ने कभी भी वैज्ञानिक प्रगति को सुधार के दायरे में नहीं रखा है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने शांति विधेयक को मोदी 3.0 के व्यापक संदर्भ में रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की विशेषता साहसिक, बुनियादी सुधार है जिसमें विज्ञान, नवाचार और उद्यमिता पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि जहां सुधार के पिछले चरण ऐतिहासिक राजनीतिक और रणनीतिक निर्णयों से जुड़े थे, वहीं मोदी 3.0 को उन क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए याद किया जाएगा जो भारत के तकनीकी और आर्थिक भविष्य को निर्धारित करते हैं। मंत्री ने कहा कि शांति विधेयक भारत के परमाणु क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सुधार है जो सुरक्षा, संप्रभुता और जनहित के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण, स्वच्छ और सतत ऊर्जा की इसकी अपार संभावनाओं को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसा सुधार छह दशकों से अधिक समय तक अकल्पनीय था और प्रधानमंत्री मोदी की पुरानी रूढ़ियों को तोड़ने और भारत की नीतियों को वैश्विक सर्वोत्तम व्यवस्थाओं के अनुरूप ढालने की क्षमता के कारण ही संभव हो पाया है।

भारत की शांतिपूर्ण परमाणु उपयोग के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने याद दिलाया कि डॉ. होमी भाभा के समय से ही भारत के परमाणु कार्यक्रम की परिकल्पना विकास, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा सुरक्षा के लिए की गई थी। उन्होंने कहा कि शांति विधेयक स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, चिकित्सा अनुप्रयोगों और उन्नत अनुसंधान जैसे नागरिक उद्देश्यों के लिए विस्तार को सक्षम बनाकर इस मूलभूत दर्शन को मजबूत करता है, जबकि शांतिपूर्ण इरादे से किसी भी विचलन को पूरी तरह से रोकता है। उभरती कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम और डेटा-आधारित अर्थव्यवस्था की मांगों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के अनिरंतर विद्युत उत्पादन के विपरीत परमाणु ऊर्जा निरंतर और भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत जीवाश्म ईंधन और कोयले से दूर होता जा रहा है, परमाणु ऊर्जा उन्नत प्रौद्योगिकियों, डिजिटल बुनियादी ढांचे और रणनीतिक क्षेत्रों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण गुणात्मक भूमिका निभाएगी।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह भी बताया कि भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता 2014 में लगभग 4.4 गीगावाट से बढ़कर लगभग 8.7 गीगावाट हो गई है और आने वाले वर्षों में इसमें काफी वृद्धि करने के लिए एक स्पष्ट योजना बनाई गई है।

भारत की राष्ट्रपति ने पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में यात्रा की

संजना भारती/पीआईबी

कर्नाटक। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पश्चिमी तट पर पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में यात्रा की। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी भी राष्ट्रपति के साथ थे। उन्होंने रविवार को कर्नाटक के कारवार नौसेना बंदरगाह पर पनडुब्बी में सवार होकर समुद्री यात्रा की। दो घंटे से अधिक के इस भ्रमण के दौरान उन्होंने पनडुब्बी के चालक दल से बातचीत की और परिचालन देखे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के बाद पनडुब्बी में यात्रा करने वाली दूसरी राष्ट्रपति हैं। स्वदेशी कालवरी श्रेणी की पनडुब्बी पर यह पहली यात्रा, सैन्य परिचालन स्थितियों में सशस्त्र बलों के साथ सर्वोच्च कमांडर की निरंतर सहभागिता को दर्शाती है। इससे पहले नवंबर 2024 में, राष्ट्रपति ने स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर भारतीय नौसेना द्वारा किए गए एक परिचालन प्रदर्शन को देखा था।

बाद में आगंतुक पुस्तिका में, राष्ट्रपति ने एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया, जिसमें उन्होंने कहा, आईएनएस वाघशीर पर हमारे नाविकों और अधिकारियों के साथ नौकायन, गोताखोरी और समय बिताना मेरे लिए वास्तव में एक बहुत ही खास अनुभव था। आईएनएस वाघशीर द्वारा किए गए कई सफल परीक्षण और चुनौतीपूर्ण अभियान चालक दल की असाधारण तत्परता और समर्पण को दर्शाते हैं जो इसके आदर्श वाक्य वीरता वर्चस्व विजय के अनुरूप है। वाघशीर के चालक दल के अनुशासन, आत्मविश्वास और उत्साह को देखकर मुझे विश्वास हो गया है कि हमारी पनडुब्बियां और भारतीय नौसेना किसी भी खतरे और हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं।

उत्तर पूर्वी जिला भाजपा दिल्ली प्रदेश ने मनाया अटल स्मृति व सुशासन दिवस

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। आयोजित सम्मलेन मे यमुना विहार कार्यालय पर प्रदर्शनी के साथ साथ 2 सत्रों में सम्मेलन को आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ यू के चौधरी ने की और मुख्यवक्ता दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष और सांसद मनोज तिवारी रहे। अटल स्मृति पर स्मरण व संस्मरण आदरणीय लाल बिहारी तिवारी पूर्व सांसद द्वारा रखा गया। सम्मेलन में पूर्व जिलाध्यक्ष पूनम चौहान कार्यक्रम के संयोजक राहुल गौड़ सह संयोजक दीपक चौहान, नीता बिष्ट, डॉ अनिल गुप्ता व जिला उपाध्यक्ष योगेंदर राजोरा, बृजेश सिंह, अमर राय, रेखा रानी, बृजेश सिंह, अनिल गौड़ आदि लोग उपस्थित रहे।

लाल बिहारी तिवारी ने बताया कि अटल बिहारी बाजपेयी हर कार्यकर्त्ता को समान दृष्टि से देखा करते थे वो बहुत सरल और विनम्र स्वाभाव के थे जब वो प्रधानमंत्री बने तो मैं भी लोक सभा का सदस्य था ये मेरे लिए गौरव कि बात थी।

मनोज तिवारी ने बताया अटल स्मृति और सुशासन दिवस भारत में हर साल 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य उनके सुशासन, राष्ट्रवाद और विकास के आदर्शों को याद करना और सरकार में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नागरिक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा देना है, जहाँ इस दिन को 'सदैव अटल' स्मृति स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर और विभिन्न कार्यक्रमों (जैसे अटल स्मृति प्रदर्शनी, सम्मेलन) के माध्यम से मनाया जा रहा है।

जिला अध्यक्ष डॉ यू के चौधरी ने बताया कि अटल जी एक अच्छे वक्ता थे जिनको सुनना बहुत अच्छा लगता था वे जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे। उनकी कार्यकुशलता उनके 'सुशासन' के प्रति समर्पण को दर्शाती है और यह सुनिश्चित करता है कि शासन में ईमानदारी, दक्षता और लोगों की भागीदारी हो।

मंच का संचालन दीपक चौहान ने किया उन्होंने बताया कि अटल जी अपने कर्तव्यों को सबसे ऊपर रखते थे। विरोधी दल के सदस्य भी उनके प्रशंसक थे स्वर्णिम चतुर्भुज योजना से हर शहर और गांव को रोड बनाकर जोड़ा। मेट्रो का सपना उनका ही था। और आज उनके किये हुए कार्यों से प्रेरणा लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने का पथ प्रदर्शक बन चुके है।

अटल जी के जन्मदिन पर दिल्ली मे 100 अटल कैंटीन खोलकर हर किसी को 5 रुपए मे पौष्टिक भोजन प्रदान करना यह बहुत महत्वपूर्ण कदम है।

देश भर में यूपी मॉडल की चर्चा, सुरक्षा और कानून का राज, निवेश का बना ड्रीम डेस्टिनेशनः सीएम योगी

सीएम ने पुलिस अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से संवाद पर दिया जोर, बोले-हमने दी आपको कार्य करने की स्वतंत्रता

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून के राज को सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि कानून का राज ही वह आधार है, जिसने यूपी में लोगों के मन से असुरक्षा का भाव दूर किया और विश्वास का वातावरण बनाया। यहां सुरक्षा और कानून का राज है, इसलिए प्रदेश निवेश का ड्रीम डेस्टिनेशन भी बना है। कानून का राज ही विश्वास पैदा करता है और लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। सीएम योगी ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि देश भर में यूपी मॉडल की चर्चा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पुलिस हेडक्वार्टर में आयोजित 'पुलिस मंथन' वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025 के समापन समारोह में कही।

मुख्यमंत्री ने पुलिस मंथन के अभिनव प्रयास के लिए डीजीपी व उनकी टीम को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने पदक अलंकरण समारोह में पुलिस अधिकारियों व कार्मिकों को सम्मानित किया और सभी 11 सत्र की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यूमन इंटेलिजेंस हम सबका सबसे बड़ा हथियार है, इसका बेहतर उपयोग कर सकते हैं। सीएम ने संवाद पर जोर देते हुए कहा कि थानाध्यक्ष, हल्का दरोगा, सर्किल इंचार्ज, जिले के कप्तान, रेंज व जोन के अधिकारियों को भी अलग-अलग तबके के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए। त्योहारों पर पीस कमेटी की बैठक बुलाते हैं, लेकिन अन्य अवसरों पर भूल जाते हैं।

सीएम ने अधिकारियों से कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधि महत्वपूर्ण कड़ी हैं। महीने में उनके साथ बैठें। कोई भी जनप्रतिनिधि गलत कार्य के लिए नहीं बोलता है। उन्हें वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं, उनका फोन रिसीव करें। साथ ही समाज के अलग-अलग पृष्ठभूमि (धर्माचार्यों, उद्यमियों, व्यापारियों) से भी संवाद करें। इससे धरातल की हकीकत पता चलेगी। केवल मुख्यालय पर बैठकर पुलिसिंग नहीं हो सकती।

सीएम योगी ने थाना, सर्किल, पुलिस लाइन में भी बेहतर समन्वय पर जोर दिया। बोले-घटना घटित होती है तो थाना इंचार्ज को जवाबदेह बनाते हैं। सर्किल की भूमिका और समन्वय में कितना योगदान दे रहा है, हमने कभी उस पर ध्यान नहीं दिया। यदि तीनों में बेहतर समन्वय बना लें तो सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में यह बड़ा योगदान दे सकता है। पुलिस बल का दोस्ताना व्यवहार व संवेदना आमजन की समस्या का समाधान करती है और उनके मन में पुलिस के प्रति बेहतर धारणा भी बनाती है। सीएम बोले, हमने प्रयास किया कि राजनीतिक हस्तक्षेप न्यूनतम रहे। आपको कार्य करने की स्वतंत्रता दी गई है, ताकि आप परफॉर्म कर सकें। सीएम ने पुलिस कर्मियों के दायित्व पर भी चर्चा की। अब औसतन पुलिस अधिकारी न्यूनतम दो वर्ष तक जनपद-रेंज में सेवा देते हैं, पिछले आंकड़ों बताते हैं कि पहले एक महीने, तीन-चार महीने या कुछ ही दिन में स्थानांतरण हो जाता था। जब तक वह सामाजिक और भौगोलिक स्थिति को समझते, उससे पहले ही बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता था। इससे अव्यवस्था पैदा होती थी, लेकिन अब स्थिरता दी गई।

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि मैं अलग-अलग तबके से बात करता हूं। अच्छे पुलिस अधिकारी का स्थानांतरण होता है तो आमजन सिफारिश करते हैं कि अच्छा अधिकारी था, लेकिन जब गलत व्यक्ति को हटाया जाता है तो पब्लिक हमें धन्यवाद देती है कि इस बला को टाल दिया। हम दोनों स्थितियों को फेस करते हैं और आमजन से कहते हैं कि अच्छे अधिकारी को दूसरी जगह भी काम करना चाहिए। अन्य जगहों पर भी अच्छाई का लाभ मिले। प्रयास करना चाहिए कि अपने आचरण और व्यवहार से उसे और सुदृढ़ करें।

वर्ष 2025 में ड्रोन आधारित नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने में बड़ी सफलता : सीएम मान

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब में नशीले पदार्थों और संगठित अपराध नेटवर्क के खिलाफ निर्णायक कदम उठाते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य निर्णायक जीत की ओर बढ़ रहा है। पिछले साढ़े तीन वर्षों में 85,418 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, एन.डी.पी.एस. (नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) अधिनियम के तहत सजा दर 88 प्रतिशत रही है तथा 1 जनवरी 2025 से अब तक 916 गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस विभाग के कार्य-प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सख्त प्रवर्तन, गहन जांच और शून्य राजनीतिक हस्तक्षेप के जमीनी स्तर पर परिणाम सामने आ रहे हैं। यह नशों के खतरे के खिलाफ पंजाब की लंबी लड़ाई में बयानबाजी से आगे बढ़कर ठोस कार्रवाई की ओर स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है। यहां बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से नशा तस्करों के खिलाफ 63,053 मामले दर्ज किए गए हैं। भगवंत सिंह मान ने बताया कि वर्ष 2025 में ह्य युद्ध नशों विरुद्धह्न अभियान शुरू होने के बाद से पुलिस ने 30,144 एफ.आई.आर. दर्ज की हैं और 40,302 तस्करों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि यह अपनी तरह का अनोखा अभियान 1 मार्च 2025 को शुरू किया गया था, जो नशों पर काबू पाने में काफी हद तक सफल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशों से निपटने के लिए प्रवर्तन, नशा मुक्ति और रोकथाम—इन तीन सिद्धांतों पर आधारित बहु-आयामी रणनीति तैयार की गई, जिसके परिणाम अत्यंत उत्साहजनक रहे हैं। इस अभियान के तहत नशा आपूर्ति करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई और तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त किया गया। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में 5,119.94 किलोग्राम हेरोइन, 3,458.53 किलोग्राम अफीम, 5.82 किलोग्राम कोकीन, 82.04 किलोग्राम आइस, 4.98 करोड़ कैप्सूल तथा 52.46 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने वर्ष 2022 से नशों के खिलाफ लड़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसके तहत व्यापक, निरंतर और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाया गया है, जिसमें प्रवर्तन, वित्तीय अवरोध, तकनीक आधारित पुलिसिंग, सजा सुनिश्चित करना, जन भागीदारी और पुनर्वास शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स इस रणनीति को लागू करने में अग्रणी रही है, जिसके चलते सभी प्रमुख संकेतकों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

सीएम योगी से स्नेहाशीष व चॉकलेट पाकर प्रफुल्लित हुए बच्चे

संजना भारती संवाददाता

गोरखपुर। रविवार को आंबेडकर पार्क में सैर सपाटे पर आए बच्चों की खुशी उस वक्त देखते बनी जब देश के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री खुद उनसे मिलने पहुंच गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से स्नेहाशीष और चॉकलेट पाकर बच्चे बेहद प्रफुल्लित हुए और एकस्वर में बोल पड़े-थैंक्यू महाराज जी।

रविवार को गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलिकॉप्टर दोपहर बाद जैसे ही सर्किट हाउस परिसर स्थित हेलिपैड पर उतरा तो उनकी नजर समीप के आंबेडकर पार्क गेट पर उन्हें देखने जुटे बच्चों पर पड़ गई। जयकारा लगाते बच्चों को देखकर सीएम योगी मुस्कुराते हुए उनकी तरफ बढ़ चले। आंबेडकर पार्क गेट के पास जाकर उन्होंने गेट के दूसरी ओर खड़े बच्चों को खूब दुलारा। उनसे आत्मीयता से बात की और स्नेह, आशीर्वाद के साथ उन्हें चाकलेट भी दिया।

सम्पादकीय

अहंकार की राजनीति...

2024 के लोकसभा चुनावों के बाद जिस गठबंधन से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह एक सशक्त, वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में उभरेगा, वही 2025 में अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आया। यह वर्ष विपक्ष के लिए न तो संगठनात्मक मजबूती लेकर आया, न ही वैचारिक स्पष्टता। सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक तथ्य यह रहा कि पूरे 2025 में इंडिया गठबंधन की एक भी औपचारिक बैठक नहीं हुई। किसी भी राजनीतिक गठबंधन के लिए बैठकें केवल औपचारिकता नहीं होतीं, बल्कि संवाद, समन्वय और साझा रणनीति का आधार होती हैं। बैठकों का न होना यह संकेत देता है कि गठबंधन नाम मात्र का रह गया है, जबकि जमीनी स्तर पर दल अपनी-अपनी राह चलने लगे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनावों में यह बिखराव खुलकर सामने आया, जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन तोड़कर अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया। 2024 में लोकसभा चुनावों में सीमित तालमेल के बाद यह उम्मीद थी कि दिल्ली में विपक्ष एकजुट रहेगा, लेकिन आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार ने इस संभावना को खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ और इसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिला। इसी तरह महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। कांग्रेस का यह रुख उसके सहयोगियों के लिए संकेत था कि गठबंधन केवल सुविधा का मंच है, प्रतिबद्धता का नहीं। बिहार में तस्वीर थोड़ी अलग दिखी। यहां विपक्षी महागठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन आपसी फूट, नेतृत्व की खींचतान और समन्वय की कमी ने इसे अब तक की सबसे बड़ी हार दिला दी। टिकट वितरण से लेकर प्रचार की रणनीति तक, हर स्तर पर असंतोष और अविश्वास साफ नजर आया। यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में रही क्योंकि एकजुटता के बावजूद गठबंधन जनता के बीच एक स्पष्ट, विश्वसनीय विकल्प के रूप में खुद को पेश नहीं कर सका। 2025 में इंडिया गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस लगातार गहराता गया। समय-समय पर यह मांग उठती रही कि गठबंधन का नेतृत्व केवल कांग्रेस के हाथों में न रहे। तृणमूल कांग्रेस ने इस मांग की खुलकर अगुवाई की, यह कहते हुए कि क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत और जनाधार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उधर, कांग्रेस की यह समस्या रही कि वह गठबंधन का नेतृत्व तो करना चाहती है, लेकिन उसके अनुरूप लचीलापन और सामूहिकता दिखाने में अक्सर विफल रहती है। यही कारण है कि उसके कई सहयोगी दल उसके रुख से इत्तेफाक नहीं रख पाए।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर आखिर खामोश क्यों हैं दुनिया के लोग?

भारत विदेशों में हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न को मुख्य रूप से कूटनीतिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाज उठाने और संबंधित देशों से न्याय की मांग करके रोकने का प्रयास करता है। बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में हालिया घटनाओं पर विदेश मंत्रालय ने सख्त बयान जारी किए हैं, जहां दोषियों को सजा देने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है

-कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदुओं पर उत्पीड़न एक लंबे अरसे से चली आ रही समस्या है, जबकि उसके उदय में भारत सरकार की परोक्ष भूमिका रही है। कभी पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाले बंगलादेश में अक्सर इस्लामिक कट्टरता ब्रेक के बाद मुखर हो जाती है, जो राजनीतिक अस्थिरता के दौरान अमूमन तेज हो जाती है। यह भारत सहित अंतर्राष्ट्रीय चिंता का विषय है और दुनियाभर में अल्पसंख्यक समूह के उत्पीड़न पर संयुक्त राष्ट्र संघ की विफलता का द्योतक है। हाल के दिनों में भारत और बंगलादेश के कूटनीतिक सम्बन्धों पर भी इन बातों का साफ असर महसूस किया जा सकता है।

यदि पुरानी बातें छोड़ भी दीं जाएं तो गत वर्ष यानी 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद से बंगलादेश में हिंदू विरोधी हिंसा में पुनः उछाल आया है, जिसमें मंदिरों पर हमले, घरों में लूटपाट और हत्याएं शामिल हैं। इस पर भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की महज खानापूर्ति वाली प्रतिक्रिया से वहां हिंदुओं पर संकट गहराता जा रहा है। इससे भारत में भी बंगलादेश विरोधी उत्तेजना स्वाभाविक है।

यदि हालिया घटनाओं पर नजर दौड़ाएं तो पता चलता है कि नवंबर 2024 से जनवरी 2025 तक 76 हमले दर्ज हुए, जबकि अगस्त 2024 से अब तक 23 हिंदुओं की हत्या और 152 मंदिरों पर आक्रमण की खबरें हैं। वहीं, 2025 में राजबाड़ी जिले में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास जैसे हिंदू युवकों की पीट-पीटकर हत्या हुई, साथ ही घरों में आगजनी के मामले सामने आए। इसकी एक बड़ी वजह बंगलादेश में हिंदुओं की जनसंख्या में निरंतर कमी होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि 1971 में हिंदू बांग्लादेश की आबादी का 22% थे, जो अब घटकर 8% से कम रह गए हैं, जो मुख्यतः उत्पीड़न और पलायन के कारण हुआ है। एक अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च के मुताबिक, 16 लाख हिंदू भारत चले गए, क्योंकि बंगलादेश में हिंदुओं की भूमि हड़पना, बलात्कार और मंदिर तोड़फोड़ आम अपराध हैं। इससे जुड़े आंकड़े और रिपोर्ट की मानें तो 2025 के पहले छह महीनों में 258 हिंसा की घटनाएं हुईं, जिनमें 20 बलात्कार और 59 पूजा स्थलों पर हमले शामिल हैं। कुल 4 अगस्त 2024 से जून 2025 तक 2,244 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। जबकि अंतरिम सरकार पर निष्क्रियता का आरोप है, जिससे अपराधी बेखौफ हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि बंगलादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद युनुस ने बांग्लादेश में हिंदू हत्याओं पर प्रत्यक्ष रूप से कोई स्पष्ट सार्वजनिक बयान या ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिससे उनकी सरकार पर निष्क्रियता के आरोप लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में हिंसा को उनकी कथित कट्टरपंथी नीतियों से जोड़ा गया है, लेकिन आधिकारिक प्रतिक्रिया में केवल सामान्य शांति अपील तक सीमित रहने का उल्लेख है। इसलिए उनपर आरोप लगते हैं और आलोचना भी होती है कि युनुस सरकार पर जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी समूहों को संरक्षण दे रहे हैं, जिसके बाद हिंदू हत्याओं में वृद्धि हुई।

वहीं, भारतीय मीडिया और विपक्षी नेता भी उन्हें हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं, जबकि युनुस ने भारत के दबाव में जांच के वादे किए बिना कोई स्पष्ट स्टैंड नहीं लिया। जहां तक अंतरराष्ट्रीय दबाव की बात है तो भारत और ब्रिटेन जैसे देशों ने युनुस से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की, लेकिन उनकी प्रतिक्रिया में कोई ठोस कदम नहीं दिखा। वहीं, बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने निर्वासन से युनुस पर हिंदू उत्पीड़न को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। जहां तक इस मसले पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का सवाल है तो भारत सरकार ने लोकसभा में मामले उठाया, जबकि विश्व हिंदू परिषद ने विरोध प्रदर्शन किए। वहीं, ब्रिटिश सांसदों ने युनुस सरकार पर कार्रवाई की मांग की।

बता दें कि भारत विदेशों में हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न को मुख्य रूप से कूटनीतिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाज उठाने और संबंधित देशों से न्याय की मांग करके रोकने का प्रयास करता है। बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में हालिया घटनाओं पर विदेश मंत्रालय ने सख्त बयान जारी किए हैं, जहां दोषियों को सजा देने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

जहां तक कूटनीतिक प्रयास की बात है तो भारतीय विदेश मंत्रालय बांग्लादेश में हिंदू युवकों की हत्या और घरों पर हमलों की कड़ी निंदा करता है तथा अंतरिम सरकार से कार्रवाई की अपेक्षा रखता है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ढाका में बांग्लादेशी समकक्ष से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर चर्चा की। वहीं भारत उचित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा उजागर करता है, लेकिन सुरक्षा की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित देश की सरकार मानता है। जहां तक गृह मंत्रालय की भूमिका की बात है तो गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश सीमा पर विशेष समिति गठित की है जो हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति की निगरानी करती है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। नागरिकता संशोधन कानून के जरिए उत्पीड़ित हिंदू, सिख आदि को भारत में शरण प्रदान की जा रही है। वहीं, विभिन्न राष्ट्रवादी संगठनों ने भी इस मामले में पहल की है। खासकर आरएसएस ने अपनी शताब्दी बैठक में विदेशों में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए संकल्प पारित किया तथा संरक्षण तंत्र की मांग की। जबकि कुछ विश्लेषकों ने 'राइट टू प्रोटेक्ट' सिद्धांत अपनाने का सुझाव दिया है, जिसमें सीमा पर सुरक्षित क्षेत्र बनाने जैसे कदम शामिल हैं।हालांकि इस दिशा में चुनौतियां की काफी हैं, क्योंकि भारत विदेशी सरकारों पर दबाव बनाता है, लेकिन प्रत्यक्ष हस्तक्षेप सीमित रहता है क्योंकि संप्रभुता का सम्मान किया जाता है। वहीं वैश्विक शक्तियां जैसे अमेरिका-ब्रिटेन भी हिंसा की निंदा करती हैं, जो भारत के प्रयासों को मजबूती देती हैं।

पिछले साल आपने देखा होगा कि चिन्मय कृष्ण दास, बांग्लादेश संमिलित सनातन जागरण जोत के प्रवक्ता और पूर्व इस्कॉन नेता, को 25 नवंबर 2024 को ढाका हवाई अड्डे से राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी का मुख्य कारण चटगांव में 25 अक्टूबर को हुई रैली में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर केसरिया झंडा फहराने का आरोप था, जहां वे हिंदू अल्पसंख्यकों के आठ सूत्री मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी गिरफ्तारी शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अल्पसंख्यक हिंसा के खिलाफ बड़े प्रदर्शनों (चटगांव और रंगपुर में) से जुड़ी थी, जिसे बांग्लादेशी अधिकारी राजद्रोह मानते हैं। बाद में चटगांव में वकील सैफुल इस्लाम की हत्या के मामले में भी उन्हें आरोपी दिखाया गया, जो उनकी गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसक झड़पों से उपजा। अप्रैल 2025 में हाईकोर्ट ने राजद्रोह मामले में जमानत दी, लेकिन स्टे लग गया और वे जेल में हैं। इसका तत्काल प्रभाव यह हुआ कि उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदू समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किए, जिससे हिंसक झड़पें हुईं और एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन जैसे समूहों ने इस्कॉन पर प्रतिबंध की मांग की। इस मुद्दे पर भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया भी आई। भारतीय विदेश मंत्रालय ने गिरफ्तारी और जमानत अस्वीकार पर गहरी चिंता जताई तथा बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। इससे भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा, जहां भारत हिंदू अधिकारों पर जोर दे रहा है। इसका व्यापक प्रभाव पड़ा, क्योंकि यह घटना बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न का प्रतीक बनी, जिससे वैश्विक स्तर पर अल्पसंख्यक अधिकारों पर बहस तेज हुई। चिन्मय दास हिंदू समुदाय के प्रतिरोध के चिह्न बन गए।

यद्यपि भारत-बंगलादेश एक दूसरे के पूरक हैं, फिर भी उसपर बढ़ता पाकिस्तानी प्रभाव भारत के लिए चिंता का सबब है। लिहाजा भारत सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह बंगलादेश के साथ कूटनीतिक स्तर पर कड़ाई बरते। अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी स्तर पर प्रतिबंध लगाए। उसको शह देने वाले पाकिस्तान की नकेल कसे। यदि अमेरिका-चीन की भूमिका सामने आए तो उनके खिलाफ भी स्पष्ट और सख्त रुख दिखाया जाए कि आसेतु हिमालय में न तो किसी की दादागिरी चलेगी और न ही किसी तरह के षड्यंत्र को चलने दिया जाएगा। भारत सरकार इस मुद्दे पर खड़ी रणनीति अपनाए और एकबारगी सख्त सैन्य कार्रवाई करके अपने मजबूत इरादे का परिचय दे, क्योंकि बिनु भय होंहिं न प्रीति...यह बात जगजाहिर है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सिडनी हमले से विश्व में और बढ़ेंगी मुसलमानों की मुसीबतें

फ़्रांस, जर्मनी, बेल्जियम जैसे देशों में इस्लामिक तत्व हर दूसरे दिन किसी ना किसी बात पर प्रतिकार या दंगे करने लगे हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप मोरक्को जीता तो दंगा हुआ पेरिस में, मोरक्को हारा तो पेरिस जला, जब फ़्रांस फाइनल में हारा तब भी पेरिस में दंगे हुए। इंग्लैंड में भारत पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के बाद प्रवासी भारतीयों पर स्थानीय मुस्लिमों ने हमले किये थे

-योगेंद्र योगी

मुस्लिम आतंकियों के हमलों और कट्टरपंथ सोच के कारण विश्व के कई देशों में भारी विरोध का सामना कर रहे मुस्लिमों की मुसीबतें आस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए आतंकी हमले के बाद और बढ़ेंगी। ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से हनुक्का का त्यौहार मना रहे यहूदियों पर चरमपंथी आतंकवाद के नाम पर गोलियां चलाई गईं। ऐसे हमले पूर्व में युरोपीय और दूसरे देशों में हो चुके हैं। न्यू ऑरलियन्स (यूएसए) में जनवरी 1, 2025 को एक व्यक्ति ने ट्रक को पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ा दिया और फिर पुलिस से गोलीबारी की। अमरीकी संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक यह हमला वैश्विक इस्लामिक आतंकी संगठन आईएसआईएस की प्रेरणा से हुआ था।

इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। यहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने लोगों से उनके धर्म पूछ-पूछकर उन्हें गोली मारी और सीधा प्रधानमंत्री का नाम लेकर चुनौती दे रहे थे। इस समय यूरोप और पश्चिमी देशों ने निंदा तो की थी लेकिन इस्लामिक आतंकवाद का नाम नहीं लिया था। हालांकि अब यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों लोन वुल्फ हमले बढ़ रहे हैं, तो उन्हें ये दर्द समझ आ रहा है।

यूरोप में (रूस को छोड़कर), 1979 से अब तक 209 हमले हुए हैं और 802 लोगों की मौत हुई है। इसी अवधि में सबसे बुरी तरह प्रभावित यूरोपीय देश फ्रांस में 85 इस्लामी आतंकवादी हमले हुए हैं, जिनमें 334 लोगों की मौत हुई है। फ्रांस के अलावा, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया-हजेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम भी प्रभावित हुए हैं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी देशों में घातक हमलों की संख्या 2017 के बाद सबसे अधिक दर्ज की गई। इनमें ज्यादातर लोन वुल्फ (अकेले) हमलावर ही थे। 7 अक्टूबर, 2024 का हमला और बॉन्डी बीच का हमला विशुद्ध तौर पर यहूदियों को निशाना बनाकर किया गया। ऐसे में यूरोप को समझ में आ गया है कि ये किसी एक-दो देश की नहीं बल्कि एक विचारधारा से निपटने की लड़ाई है, जिसके लिए साथ आना ही होगा।

फ़्रांस, जर्मनी, बेल्जियम जैसे देशों में इस्लामिक तत्व हर दूसरे दिन किसी ना किसी बात पर प्रतिकार या दंगे करने लगे हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप मोरक्को जीता तो दंगा हुआ पेरिस में, मोरक्को हारा तो पेरिस जला, जब फ़्रांस फाइनल में हारा तब भी पेरिस में दंगे हुए। इंग्लैंड में भारत पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के बाद प्रवासी भारतीयों पर स्थानीय मुस्लिमों ने हमले किये थे। जांच में यह भी सामने आया था कि अधिकाँश हमलावर और दंगाई इस्लामिक शरणार्थी थे। ऐसे में मेलबर्न से लेकर लंदन और सिडनी से लेकर पेरिस तक में प्रवासियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण वहां की सरकारों को अब इन पर एक्शन लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार इन देशों हाई माइग्रेशन रेट के कारण स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लंदन की सड़कों पर लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने एंटी-इमिग्रेशन मार्च निकाला और इस्लाम और ब्रिटेन में बढ़ती प्रवासन समस्या का मुद्दा उठाया। ब्रिटेन में पिछले साल 29 जुलाई को एक्सेल ने साउथपोर्ट में चल रही एक डांस क्लास में घुस कर कई बच्चियों को बेरहमी से चाकू मार दिया था। हमलावर ने तीन बच्चियों की हत्या कर दी थी और 10 अन्य को घायल कर दिया था। इनमें ज्यादातर बच्चे थे। हमलावर मुस्लिम था। आरोपी एक्सेल के मां-बाप रवांडा से आए थे। घटना के बाद ब्रिटेन में बहुत बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

ब्रिटेन में बढ़ती मुस्लिम आबादी भी एक बड़ा मुद्दा है। अनुमान है कि साल 2035 तक ब्रिटेन की कुल आबादी में 25% मुस्लिम हो सकते हैं। ऐसे आतंकी हमलों और मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के खिलाफ प्रदर्शनकारी ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इनकी मांग है कि अवैध अप्रवासियों को देश से बाहर किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों से ब्रिटेन पहुंचे हैं। प्रदर्शन में शामिल लोग अवैध अप्रवासियों को शरण दिए जाने के खिलाफ हैं। हाल ही में एक इथियोपियाई अप्रवासी ने 14 साल की लड़की का यौन उत्पीड़न किया था, जिसने लोगों के गुस्से को और बढ़ावा दिया है। सरकार और पुलिस पर आरोप कि वे अवैध आव्रजन पर नकेल कसने में असफल हैं।

मुस्लिम शरणार्थी युरोपीय देशों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। गिड़गिड़ाते हुए लाचार हालत में शरण लेने आए शरणार्थी अब इस्लाम और शरिया लागू करने के लिए धरने-प्रदर्शन कर रहे हैं। जर्मनी के हैम्बर्ग में 2000 से अधिक मुसलमानों ने रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने इस्लामवादी खिलाफत और शरिया कानून लागू करने की मांग की। रैली में शामिल भीड़ ने अल्लाहू अकबर का नारा भी लगाया। जर्मनी में बहुसंख्यक आबादी ईसाई है, जबकि मुसलमान अल्पसंख्यक हैं। इन मुसलमानों में सबसे ज्यादा वो थे, जो अफ्रीकी और एशियाई देशों से शरण मांगने के लिए जर्मनी पहुंचे थे। हालांकि, नागरिकता मिलते ही उनके तेवर बदल गए और अब मूल आबादी को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसी इस्लामिक आतंकवाद के दंश से व्यथित हो लगभग 13 लाख लोग यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे, यह दूसरे विश्व युद्ध के पश्चात सबसे बड़ी शरणार्थी समस्या थी। शुरूआत में शरण लेने वाले अधिकाँश सीरियाई थे, लेकिन बाद में बड़ी संख्या में अफगान, नाइजीरियाई, पाकिस्तानी, इराकी और इरिट्रिया, और बाल्कन के आर्थिक प्रवासी भी इस यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे। यूरोप में अब तक 78,000 शरणार्थी और आप्रवासी आए हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार उनमें से आधे से ज्यादा ग्रीस पहुंचे हैं। उनमें 40 प्रतिशत परिवार अफगानिस्तान से हैं जबकि 20 प्रतिशत सीरिया से हैं।

यही वजह है कि इन देशों में चरमपंथी मुस्लिमों की हरकतों की वजह से पाबंदी लगाई जा रही हैं। दक्षिण-पूर्वी स्पेन के मर्सिया क्षेत्र के शहर जुमिला में लोकल काउंसिल ने ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा जैसे मुस्लिम त्योहारों को सिविक सेंटर्स और स्पोर्ट्स हॉल जैसी सार्वजनिक जगहों में मनाए जाने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया। कट्टर इस्लामिक तत्वों ने बेल्जियम और स्वीडन जैसे शांतिप्रिय देशों में माहौल खराब कर दिया है। मुसलमानों ने इन देशों में अतिरिक्त अधिकारों की मांग की, सड़कें जाम की, सड़कों पर नमाज पढ़ कर शक्ति प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी ओर ऐसी घटनाओं से स्थानीय यूरोपीय नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना घर कर गयी। यह निश्चित है कि सिडनी में हुई आतंकी घटना के दूरगामी परिणाम भी बेकसूर मुसलमानों को भुगतने पड़ेंगे।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कविता

जब से खुद को समझने लगा हूँ, मैं
तबसे खुद से उलझने लगा हूँ मैं

आईने भी चुप हो गए हैं,
अब अपने अक्स से डरने लगा हूँ मैं

वो जो भूले थे कुछ जख्म,
बेवजह फिर से भरने लगा हूँ मैं

खामोशी मेरी पहचान बन गई,
बात-बात पे सिहरने लगा हूँ मैं

शेरों में ढूँढता था सुकून पहले,
अब बस आपको पढ़ने लगा हूँ मैं

दिल ने गमों से दोस्ती कर ली,
अब हर दर्द में ठहरने लगा हूँ मैं

कभी डर लगता था गहराइयों से,
अब उन्हीं में उतरने लगा हूँ मैं

-संजय सिंह

जयंती

राजेश खन्ना

जन्मः 29 दिसंबर, 1942, अमृतसर; मृत्युः 18 जुलाई, 2012, मुम्बई, भारतीय हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता थे। राजेश खन्ना का वास्तविक नाम जतिन खन्ना था। अपने रूमानी अंदाज, स्वाभाविक अभिनय और कामयाब फिल्मों के लंबे सिलसिले के बल पर करीब डेढ़ दशक तक सिने प्रेमियों के दिलों पर राज करने वाले राजेश खन्ना के रूप में हिन्दी सिनेमा को पहला ऐसा सुपरस्टार मिला, जिसका जादू चाहने वालों के सिर चढ़कर बोलता था। राजेश खन्ना फिल्म निर्माता और राजनीतिज्ञ भी रहे। राजेश खन्ना ने लगभग 163 फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें 106 फिल्मों वे मुख्य नायक रहे। राजेश खन्ना को तीन बार फिल्मफेयर पुरस्कार मिला और 14 बार नामांकित हुए।

पुण्यतिथि

हकीम अजमल खाँ

जन्म-1863 दिल्ली, मृत्यु-29 दिसम्बर, 1927) राष्ट्रीय विचारधारा के समर्थक और यूनानी चिकित्सा पद्धति के प्रसिद्ध चिकित्सक थे। हकीम अजमल खाँ अपने समय के सबसे कुशाग्र और बहुमुखी व्यक्तित्व के रूप में प्रसिद्ध हुए। भारत की आजादी, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के क्षेत्रों में उनका योगदान अतुलनीय है। वे एक सशक्त राजनीतिज्ञ और उच्चतम क्षमता के शिक्षाविद थे।

कल मिलेंगे

पड़ोसन-आपकी नई बहू कैसी है...?
सास-बहुत मेहनत करती है, इतनी गर्मी में भी दिन-रात लगी रहती है, कैंडी क्रश के 452 लेवल पर पहुंच गई है। व्हाट्सएप पर 25 ग्रुप चलाती है, फेसबुक पर 5 हजार फ्रेंड और 10 हजार फॉलोवर हैं। 16 ग्रुप की एडमिन है और 36 पेज चला रही है। सोच रही हूं सुबह दूध के साथ बादाम देना शुरू कर दूं और तरक्की करेगी।
पड़ोसन-बेहोश...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

ट्रंप-जेलेंस्की मुलाकात से शांति की उम्मीद, यूक्रेन युद्ध पर निर्णायक बातचीत की तैयारी

(एजेन्सी)।

काफी समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर एक बार फिर कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की मेजबानी करने जा रहे हैं। यह मुलाकात फ्लोरिडा स्थित ट्रंप के निजी क्लब मार-ए-लागो में होगी, जहां वह छुट्टियां भी बिता रहे हैं।

बता दें कि यह बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब रूस ने कीव पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की रफ्तार तेज कर दी है, जिससे यूक्रेन पर दबाव बढ़ गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, दोनों नेता सुरक्षा गारंटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय विवादों पर बातचीत करेंगे। खास तौर पर पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र को लेकर मतभेद अभी भी बने हुए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि उनका देश शांति के लिए हर संभव कदम उठाने को तैयार है, लेकिन इसके लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय समर्थन जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पूरी दुनिया, खासकर अमेरिका और यूरोप साथ खड़े हों, तो रूस को युद्ध रोकने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

गौरतलब है कि हाल ही में कनाडा ने भी यूक्रेन को 2.5 अरब कनाडाई डॉलर की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रूस के हमलों की निंदा करते हुए इसे बर्बर करार दिया और स्थायी शांति की जरूरत पर जोर दिया।

सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका और यूक्रेन के बीच एक 20 बिंदुओं वाला मसौदा तैयार किया गया है, जो लगभग अंतिम चरण में है। इस प्रस्ताव में यूक्रेन को नाटो जैसी सुरक्षा गारंटी देने पर भी विचार किया गया है, हालांकि यूक्रेन की नाटो सदस्यता को फिलहाल टालने का संकेत है।

बताया जा रहा है कि जेलेंस्की कुछ क्षेत्रों से सेना हटाने पर भी सहमत हो सकते हैं, बशर्ते रूस भी पीछे हटे और वहां अंतरराष्ट्रीय निगरानी में विसैन्यीकृत क्षेत्र बनाया जाए। वहीं रूस की मांग है कि यूक्रेन नाटो में शामिल न हो और कब्जे वाले इलाकों को मान्यता दे।

क्रेमलिन के अनुसार, अमेरिका के साथ बातचीत जारी है, लेकिन रूस का रुख अब भी सख्त है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूर्वी यूक्रेन और क्रीमिया पर अपने दावे से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। फिलहाल नजरें इस अहम मुलाकात पर टिकी हैं, जिससे यह तय हो सकता है कि लगभग चार साल से जारी यह युद्ध शांति की ओर बढ़ेगा या टकराव और लंबा खिंचेगा।

कोल इंडिया की आठ सहायक कंपनियों को शेयर बाजार में उतारेगी सरकार

(एजेन्सी)।

सरकारी कंपनियों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कोयला मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह कोल इंडिया लिमिटेड की सभी अनुषंगी कंपनियों की पहचान कर उन्हें 2030 तक सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया सुनिश्चित करे।

बता दें कि कोल इंडिया देश के कुल कोयला उत्पादन का 80 प्रतिशत से अधिक योगदान देती है और इसके अंतर्गत कुल आठ सहायक कंपनियां काम कर रही हैं। इनमें ईस्टर्न कोलफील्ड्स, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, सेंट्रल कोलफील्ड्स, वेस्टर्न कोलफील्ड्स, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स, महानदी कोलफील्ड्स और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड शामिल हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड को मार्च 2026 तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। दोनों कंपनियों के लिए रोडशो भी पूरे किए जा चुके हैं और प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

गौरतलब है कि कोल इंडिया के बोर्ड ने हाल ही में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स और महानदी कोलफील्ड्स को भी सूचीबद्ध करने को मंजूरी दी है। यह फैसला कोयला मंत्रालय के उस निर्देश के तहत लिया गया है, जिसमें अगले वित्तीय वर्ष के भीतर ठोस कदम उठाने को कहा गया था।

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड पहले ही सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर चुकी है, जिसमें ऑफर फॉर सेल के तहत 46.57 करोड़ शेयरों की पेशकश प्रस्तावित है। वहीं, सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड ने भी आईपीओ के लिए डीआरएचपी दाखिल कर दिया है।

पाकिस्तानी कबड्डी खिलाड़ी पर भारतीय जर्सी पहनने का आरोप

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह रजपूत को भारतीय टीम की ओर से खेलने के मामले में पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन ने अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया है। मामला इसी महीने बहरीन में आयोजित एक निजी टूर्नामेंट से जुड़ा हुआ है। बता दें कि पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन (पीकेएफ) ने शनिवार को आपात बैठक बुलाकर यह फैसला लिया। संघ का कहना है कि रजपूत ने बिना अनिवार्य नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लिए विदेश यात्रा की और प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है।

पीकेएफ के सचिव राणा सरवर के अनुसार, खिलाड़ी ने न केवल बिना अनुमति के टूर्नामेंट खेला बल्कि भारतीय टीम की जर्सी पहनकर मैदान में उतरे और जीत के बाद भारतीय झंडा भी लहराया। यह दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद विवाद और गहरा गया।

गौरतलब है कि रजपूत ने अपने बचाव में कहा है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि जिस टीम से वह

फेडरेशन ने लगाया आजीवन प्रतिबंध!

खेल रहे हैं, उसे इंडियन टीम के नाम से पेश किया जाएगा। उनका दावा है कि निजी टूर्नामेंटों में पहले भी भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी मिलकर खेलते रहे हैं, लेकिन कभी किसी देश के नाम का इस्तेमाल नहीं किया गया।

हालांकि, पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए कहा है कि खिलाड़ी को नियमों का पालन करना चाहिए था। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि रजपूत को अपील करने का अधिकार दिया गया है और मामला अब अनुशासन समिति के सामने जाएगा।

मौजूद जानकारी के अनुसार, इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले कुछ अन्य खिलाड़ियों पर भी कार्रवाई की गई है और उन्हें जुमार्ना व प्रतिबंध का सामना करना पड़ा है।

यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंध पहले से ही संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं, ऐसे में इस घटना ने दोनों देशों के खेल संबंधों को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है।

पाकिस्तान का कबूलनामा, भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने रावलपिंडी एयरबेस को किया तबाह

(एजेन्सी)। पाकिस्तान सरकार ने आखिरकार स्वीकार कर लिया है कि इस साल मई में भारतीय सेना द्वारा किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में उसके सैन्य बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा था। पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ने शनिवार को साल के अंत में हुई प्रेस ब्रीफिंग में पुष्टि की कि भारत ने रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस को सफलतापूर्वक निशाना बनाया था। इशाक डार ने बताया कि भारत ने इस ऑपरेशन के दौरान बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए थे। बयान में उन्होंने कहा, 'भारत ने 36 घंटों के भीतर कम से कम 80 ड्रोन पाकिस्तान की ओर भेजे थे।' पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने 79 ड्रोन मार गिराए, लेकिन एक ड्रोन उनके डिफेंस सिस्टम को चकमा देकर नूर खान एयरबेस के मिलिट्री इंस्टॉलेशन से टकरा गया। इस हमले में न केवल सैन्य ढांचे को नुकसान पहुंचा, बल्कि कई पाकिस्तानी सैनिक भी घायल हुए। यह ऑपरेशन अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का करारा जवाब था। उस हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी, जिसकी जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने ली थी। भारत ने इसके जवाब में सीमा पार आतंकी ठिकानों और उन्हें शह देने वाले सैन्य अड्डों को निशाना बनाया।

सलमान खान ने 'बैटल ऑफ गलवान' का टीजर रिलीज किया

(एजेन्सी)। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान ने अपने 60वें जन्मदिन पर अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान का टीजर रिलीज करके फैंस को एक खास तोहफा दिया। टीजर रिलीज होते ही वीडियो ऑनलाइन चर्चा में आ गया और कई सोशल मीडिया यूजर्स को गेम ऑफ थ्रोन्स की याद आ गई। इस दौरान सोशल मीडिया यूजर्स बैटल ऑफ गलवान का टीजर देखने के बाद ट्रोल कर रहे हैं। फिल्म के टीजर में सलमान खान तलवार की तरह एक छड़ी पकड़े हुए, मजबूती से खड़े होकर अपने दुश्मन से लड़ने के लिए तैयार दिख रहे हैं। इस सीन ने कई सोशल मीडिया यूजर्स को गेम ऑफ थ्रोन्स के आइकॉनिक बैटल ऑफ द बास्टर्ड्स की याद दिला दी, जहां किट हैरिंगटन द्वारा निभाया गया जॉन स्नो हाथ में तलवार लिए जमीन पर खड़ा होता है और दुश्मन उसकी तरफ बढ़ते हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों सीन की तुलना करते हुए कोलाज शेयर किए और अपनी राय दी, जबकि कुछ लोग पुरानी यादों की इस लहर पर मजाक उड़ाने से खुद को रोक नहीं पाए।

सीख

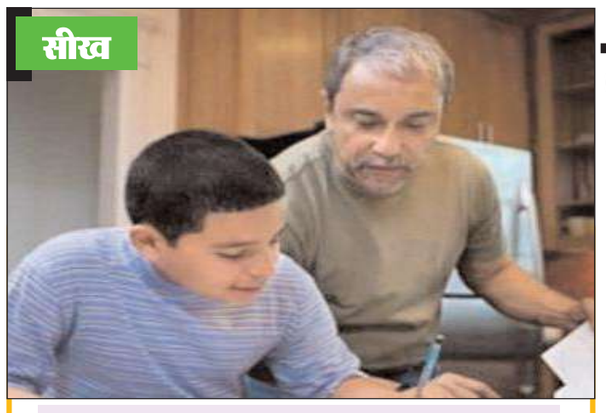

बच्चों के 'विलेन' न बनें पैरंट्स

बोर्ड परीक्षाओं के आते ही बच्चों से ज्यादा उनके परिजन तनाव में आ जाते हैं। इसका असर उनके बच्चों पर भी पड़ता है। इसके चलते बच्चों की बेहतरी चाहने वाले पैरंट्स अनजाने में उनके साथ बुरा कर जाते हैं। वहीं, बच्चे भी खुद को साबित करने और माता-पिता के सपनों को पूरा करने के दबाव में आ जाते हैं। ऐसे में जरूरत है कि पैरंट्स अपने बच्चों के व्यवहार पर नजर बनाए रखें। उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश करें और शांतिपूर्वक उनका समाधान करें। इससे न सिर्फ उनके व्यवहार में बदलाव आएगा, बल्कि उनमें सकारात्मक ऊर्जा भी आएगी। जानें, परीक्षा के दौरान पैरंट्स को किन बातों का ख्याल रखना चाहिए। बताते हैं आपकोः-

बच्चों को बोर्ड का डर न दिखाएं

वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. संजीव त्यागी ने बताया कि बच्चों में बोर्ड एग्जाम का डर न दिखाएं। बच्चों के सामने बिलकुल हमेशा की तरह ही पेश आएं। ऐसा न करें कि टीवी बंद कर दो, बाहर नहीं जाना, खेलने नहीं देने और हमेशा पढ़ाई के लिए फोर्स करने से बचें। परीक्षा के चलते घर के माहौल को असामान्य न बनाएं। इस माहौल से बच्चे परेशान हो जाते हैं और पढ़ाई और एग्जाम में गलती हो जाती है।

सुने और समझें

परिजनों के लिए डॉ. त्यागी ने कहा कि बोर्ड एग्जाम में बच्चों को सुनें और समझें। उन्होंने कहा कि लोग बच्चों को सुनाते हैं और समझाते हैं, जबकि बच्चों को सुनना चाहिए और उनकी बात समझने की कोशिश करनी चाहिए। पढ़ने के लिए दबाव न डालें। अच्छे मार्क्स मायने रखते हैं, लेकिन बच्चे के गोल को भी जानने की कोशिश करें।

क्रिएटिव बनें

बोर्ड एग्जाम के दौरान पढ़ने के साथ क्रिएटिविटी पर भी ध्यान देना चाहिए। पूरे दिन पढ़ाई कराने के बजाए कुछ ऐसी एक्टिविटी भी कराएं जिनसे उनका पढ़ाई से ध्यान न भटके और उनका माइंड भी फ्रेश हो जाए। पेंटिंग या फिर उनका फेवरेट गेम साथ में खेलें। इससे बच्चे को पढ़ाई से थोड़ा ब्रेक मिलेगा और वे फिर से पढ़ाई शुरू कर पाएंगे।

स्टडी रूम का ध्यान रखें

एग्जाम के दौरान बच्चों के स्टडी रूम का ध्यान रखें। डॉ. त्यागी बताते हैं कि यह बच्चों का प्राइवेट स्पेस होता है। उनकी इजाजत के बिना उनकी किसी चीज को हाथ न लगाएं। चीजें इधर-उधर न करें और उनकी किताबों को सलीके से रखें, कमरे की सफाई करें।

मसाज करें

एग्जाम के दौरान बच्चों में अच्छे मार्क्स लाने की टेंशन होती है। माता-पिता फोर्स न भी करें तो भी बोर्ड एग्जाम का दबाव बच्चे समझते हैं। ऐसे में पढ़ाई के साथ बच्चों में एक तरह का दवाब भी रहता है, जिसके कारण अक्सर बच्चों को सिरदर्द की शिकायत होती है। ऐसे में बच्चे के सिर की मसाज करें। इससे उन्हें आराम मिलेगा।

डायट

कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल की डायटिशन अदिति के मुताबिक एग्जाम में खाने-पीने का ख्याल बहुत महत्वपूर्ण है। शरीर स्वस्थ रहेगा तो बच्चे भी एकाग्रता और आसानी से पढ़ सकेंगे। उन्होंने 5 सुपरफूड के बारे में बताया जिससे इन दिनों पैरंट्स बच्चों की सेहत का ख्याल रख सकते हैं।

- अंडा, पालक, बादाम व अनाज में आयरन और विटामिन होते हैं। इनसे बच्चों में एनर्जी बनी रहती है।
- सेब, जामुन, आलू, गाजर, सलाद और ब्राउन ब्रेड में कार्बोहाइड्रेट होता है, जोकि बच्चों में एनर्जी भरते हैं।
- ओमेगा थ्री फैटी एसिड बच्चों के दिमाग और उसका फोकस बढ़ाता है। ऑलिव ऑयल और सीफूड में भी इसके गुण पाए जाते हैं।
- बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने दें। इसके लिए उन्हें मिनरल वॉटर के अलावा, नारियल पानी और अच्छे एनर्जी ड्रिंक्स दें।
- मैग्नीशियम से बच्चों को थकान नहीं महसूस नहीं होती। इसके लिए केला को उनके आहार में शामिल कीजिए।

टॉपर्स टिप्स

- एग्जाम से पहले अपने गोल सेट कर लें और गोल बनाने में ईमानदार रहें।
- ब्रेक बहुत जरूरी है, पढ़ने के बाद अपनी पसंद का कुछ जरूर करें, जिससे रिफ्रेश रह सकें।
- एग्जाम के समय स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है और स्वस्थ रहने के लिए सबसे जरूरी है नींद पूरी करना।
- अपने गोल के हिसाब से तीन-चार बार रिविजन जरूर करें।

बदलते मौसम में ऐसे करें अपनी त्वचा की सुरक्षा

क्या आपकी स्किन पर धूप का गहरा असर पड़ता है या फिर ठंड के मौसम में आपकी स्किन रूखी हो जाती है? दरअसल, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमारी स्किन बदलते मौसम के अनुरूप खुद को ढाल नहीं पाती। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. दिलीप ठेमानी बताते हैं कि बदलते मौसम में जरूरी है कि आप अपनी त्वचा को एक अच्छे क्लेन्ज़र और मॉइस्चराइजर से सुरक्षित रखें। आगे की तस्वीरों पर क्लिक करें और जानें, बदलते मौसम में अपनी स्किन को सुरक्षित रखने के टिप्स-

साबुन

5 से 5.5 पीएच वैल्यू के बीच के मुलायम साबुन ही खरीदने चाहिए। आपको यह भी ध्यान रखना चाहिए कि साबुन में पर्याप्त मात्रा में मिनरल ऑइल या ग्लिसरीन हो। यदि आपको ऐसे साबुन नहीं मिलते हैं तो आप शावर के बाद मिनरल ऑइल बेस्ड बॉडी लोशन भी लगा सकते हैं।

हल्के से पोछें बदन

नहाने के बाद इस बात का भी ध्यान रखें कि आप शरीर को पूरी तरह से न सुखाएं बल्कि इसे हल्के से पोंछ लें। ऐसा करने से शरीर की नमी बनी रहेगी।

स्किन हाइड्रेशन

हम अक्सर इस बात को भूल जाते हैं कि शरीर पर त्वचा की मोटाई अलग अलग जगहों पर अलग होती है। इसलिए इनके उपाय भी अलग होने चाहिए। हाथ और पैर कम तेल उत्पन्न करते हैं इसलिए इन्हें बार बार मॉइस्चराइज करने की जरूरत पड़ती है।

पैर

वैसे तो अब सर्दियां खत्म होने को आईं लेकिन इस मौसम में भी पैर बेहद रूखे-सूखे से हो जाते हैं। इसलिए उन्हें एक्सफोलिएट करना बहुत जरूरी होता है। एक हिस्सा मिनरल ऑइल के साथ दो हिस्सा ग्लिस्रिन लें और इसे पूरी रात लगाकर रखें। इससे पैर की त्वचा हाइड्रेट होगी और नर्म एवं मुलायम बनेगी।

5. मॉइस्चराइज

12-13 साल से कम उम्र के बच्चों और 55 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों की त्वचा के लिए मॉइस्चराइजर बेहद जरूरी होता है। इस उम्र में शरीर हॉर्मोन पैदा नहीं करता है जिससे त्वचा रूखी हो जाती है। इसलिए शरीर को नियमित तौर पर मॉइस्चराइज करना बहुत जरूरी होती है।

ऐसे पहुंचाएं थकी आंखों को आराम

एग्जाम के दौरान बच्चे घंटों तक पढ़ते हैं। खास तौर पर पढ़ने के लिए वह देर रात तक जागते हैं। इसका सीधा असर आंखों पर पड़ता है। आंखें लाल हो जाती हैं, जलन, पानी आना, धुंधला दिखना या डबल दिखना जैसी समस्या होती है। सेक्टर-28 के योगाचार्य हरीश शर्मा ने बताया कि एग्जाम की तैयारी के समय आंखों की थकावट कैसे कम किया जा सकता है।कम करने के तरीके बता रहे हैं।

आंखों की मालिश करें। इससे आंखों में ब्लड सर्कुलेशन सही रहेगा और यह आंखों के आसपास की मांसपेशियों को आराम देगी। मालिश से टियर ग्लैंड भी ठीक काम करेंगे और सूखेपन का अहसास नहीं होगा। मालिश के लिए उंगलियों से पलकों और भौहों के आसपास की 10-20 सेकंड तक मालिश करें। थकावट को दूर करने के लिए हथेलियों से मालिश करें। इसके लिए हथेलियों को तब तक रगड़ें जब तक कि गरम न हो जाएं और फिर हथेलियों को बंद पलकों पर रख दें।

आंखों की एक्सरसाइज के लिए आप एक पेन या पेंसिल को एक हाथ की दूरी पर आंखों के सामने पकड़ें और धीरे-धीरे उसे अपनी ओर ले आए। उसे तब तक देखते रहे जब तक वो आपको साफ दिख रहा हो। इसके बाद फिर उसे धीरे-धीरे दूर ले जाएं। इसे 10 से 15 बार करें।

ठंडे पानी से आंखों की सिकाई करने से आंखों की सूजन और तनाव दूर होता है। इसके लिए साफ कपड़े में बर्फ लपेटें और उसे बंद आंखों पर रखें। गुलाब जल तनावपूर्ण और थकी आंखों के लिए अच्छा है। इसके अलावा खीरे के टुकड़े आंखों पर रख सकते हैं।

हंसकर मन को करते रहें हल्का

खुश रहना कोई सॉकेट साइंस नहीं है, लेकिन फिर भी लोग खुश नहीं रह पाते। इस बार के सेमिनार में हमने लाइफ गुरु खुश रहने के तरीके बता रहे हैं। सेमिनार से पहले हमारे रीडर्स ने कई सवाल भेजे जिनमें से कुछ सवालों के जवाब यहां दिए जा रहे हैं।

सेहत

खुश रहना चाहता हूं, लेकिन रह नहीं पाता?

अमीर हो या गरीब, बच्चा हो या जवान सभी खुश रहना चाहते हैं, लेकिन खुशी के लिए केवल सोचने भर से काम नहीं चलता। उसके लिए मन को समझने व उसको अपने काबू में करने की जरूरत है। इसके लिए आप मन को दिनभर के कामों में लीन करें और जिस समय जो भी काम आप कर रहे है, उस काम को मस्ती के साथ करना शुरू कर दें और चेहरे पर मुस्कराहट बनाए रखें। जब भी मौका मिले खिल-खिलाकर हंस दें। जो भी काम कर रहे हैं, उसको जब तब मस्ती के साथ नहीं करोगे, तो खुश नहीं रह सकते। कई बार आप कोशिश तो करते होंगे लेकिन चंचल मन खुशी को भुलाकर परेशानी में ही ले आता होगा। जिस समय मन खुशी से हटाए उसी समय मन में खुशी भर दो। मन का काम है हमें इधर-उधर दौड़ाकर भारी करना और हमारा काम है मन को खुशी देकर उसको हल्का कर देना।

क्या विदेशों में रहने वाले लोग सुखी होते हैं?

सुख-दुख का ताल्लुक बाहर की चीजों से कम, आपके मन से ज्यादा होता है। यूं कहें कि सुख-दुख मन में ही होता है तो गलत नहीं। अमीर हों या गरीब, काले हों या गोरे, इस देश के हों या विदेश के, पढ़े-लिखे हों या अनपढ़, कपड़े अच्छे पहने हुए हों या खराब, झोपड़ी में रहते हों या महल में - बाहर का भेष, देश, भाषा, बर्ताव चाहे कैसा भी हो, लेकिन मन के विकार सबके एक जैसे ही होते है, उसमें बदलाव नहीं होता। ऐसा बिल्कुल नहीं कि महल में रहने वाला दुखी नहीं होता। ऐसा भी नहीं कि विदेश में रहने वाला खुश ही है। यह सब तो मन का खेल है। ऐसा नहीं है कि जगह बदलने से खुशी मिलेगी। ऐसा भी नहीं है कि विदेश में रहने से सुख मिलेगा। जगह बदलने से बेहतर होगा कि मन में बदलाव ले आओ और मन को मजबूत करते जाओ। हर दिन को उत्सव की तरह मनाते हुए जीवन को खुश मन से जीना ही जीवन जीने की कला है।

मैं दूसरों से अपनी तुलना कर दुखी होता हूं?

अगर आधा गिलास भरा सामने रखा हो तो हमें खुद पर गौर करना चाहिए कि हमारी नजर उसके भरे हुए आधे हिस्से पर है या खाली हिस्से पर। भरे हिस्से को देखेंगे तो संतुष्टी का भाव आएगा और खाली हिस्से को देखेंगे तो मन कहेगा आधा खाली क्यों है? खाली हिस्से पर ध्यान जाते ही भरे हिस्से वाला सुख भी चला जाता है। ऐसे ही जो हमारे पास है, उसमें संतुष्ट हैं तो सुखी हैं। हमारे दुख का बहुत बड़ा कारण दूसरों के सुखों से अपनी तुलना करना भी है, क्योंकि तुलना में दुख छिपा है। जब खुद से ज्यादा खुशहाल शख्स से तुलना करोगे तो दुख होगा और अपने से नीचे शख्स से तुलना करोगे तो अहंकार आएगा। इस प्रकार जिंदगी भर किसी-न-किसी से तुलना करके सुखी-दुखी होते रहते हैं। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम मन को बार-बार ऊंचे से ऊंचा विचार देते रहें और खुद को किसी काम में व्यस्त रखें क्योंकि खाली मन दुख ही लेकर आता है।

महिलाएं करती हैं फ्लर्ट की शुरुआत!

रिलेशनशिप और फ्लर्टिंग को लेकर हमेशा लड़कों को बादशाह माना जाता है। किसी पार्टी, फंक्शन या फिर शादी में किसी भी लड़की से पहली बात अक्सर लड़के ही करते हैं। किसी से भी पूछने पर वह यही बताएगा कि लड़के ही पहला मूव करते हैं। इसके बाद लड़की अपनी रजामंदी दिखाती है, या फिर रिजेक्शन देती है, लेकिन अब इसे लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है।

शोध

एक बायॉलजिस्ट ने अपनी रिसर्च में खुलासा किया है कि लड़कियां लड़कों से भी ज्यादा फ्लर्टिंग करती हैं। हेलन फिशर नाम के इस साइंटिस्ट ने अपनी नई बुक एनाटॉमी ऑफ लव में यह खुलासा किया है। सोचिए आप किसी बार में हैं और आपके सामने एक लड़की अपनी दोस्तों के साथ एन्जॉय कर रही है, लेकिन अचानक वह खूबसूरत सी लड़की एक लड़के के पास जाती है जो दरवाजे पर खड़ा है। यह सब देखकर आपको लगता है कि कुछ शुरू होने वाला है। यह आमतौर पर होता है, लेकिन आप फिर भी यही सोचते रह जाते हैं कि पहली शुरुआत किसने की होगी।

इसका जवाब है लड़की, क्योंकि पहले लड़की अपने एक्सप्रेशन से ही बताती है कि वह इंट्रेस्टेड है या फिर नहीं। यह उसकी स्माइल और आंखों से पता लगाया जाता है। इस पूरे रहस्य को जानने के लिए वॉशिंगटन के एक एंथ्रोपॉलोजिस्ट डेविड गिवन्स और सेक्सॉलजिस्ट टिमोथी पर्पर ने कई बार और क्लबों में सैकड़ों घंटे बैठकर कपल्स को उनकी पहली मुलाकात में देखा।

इस पूरी रिसर्च में जो रिजल्ट निकला वह काफी चौंकाने वाला था, इसमें आधे से ज्यादा केसों में महिलाओं ने पहल की थी, लेकिन हेलन फिशर ने 25 हजार सिंगल लड़के-लड़कियों पर 2010 में स्टडी की थी। जिसमें पता चला था कि हर उम्र और रंग की महिलाएं ही ऐसे मामलों में ज्यादातर पहल करती हैं। इसके बाद 2012 में लगभग 5 हजार पुरुषों ने माना था कि उन्हें किसी महिला ने कहीं बाहर जाने का इनविटेशन दिया और इनमें से 95 प्रतिशत आदमी इस बात से खुश थे। उन्होंने बताया कि महिलाएं और पुरुष दोनों ही इसमें एक अहम रोल अदा करते हैं, लेकिन अगर किसी ने एक हिंट मिस कर दिया तो पूरा खेल खत्म भी हो सकता है।

बनाएं आलिया के फेवरेट फ्रेंच फ्राइस

रेसिपी

अगर आप 4 लोगों के लिए फ्रेंच फ्राइसबना रहे हैं तो इस प्रकार सामग्री लीजिए -

जरूरी सामग्री

- **आलू** - 500 ग्राम
- **तेल** - तलने के लिये
- **नमक** - आधी छोटी चम्मच
- **चाट मसाला**- आवश्यकतानुसार ऊपर से छिड़कने के लिये

बनाने की विधि

सबसे पहले आलू को पीलर की सहायता से छील लीजिये और धोकर पानी में डाल दीजिये। छिले हुए आलू को अब फ्रेंच फ्राइ कटर की मदद से आयताकार लम्बे टुकड़ों में बराबर आकार में काट लीजिये। इसे काटने के तुरंत बाद ही पानी में भी डालते जाइए ताकि इसका रंग काला ना पड़ जाए और इसका स्टार्च निकलकर पानी में चला जाए। इसे पांच मिनट तक पानी में ही रहने दीजिए।

अब एक बर्तन में पानी उबलने के लिए रख दें। जब पानी उबल जाए तो उसमें फ्रेंच फ्राइ के टुकड़ों को डालकर फिर से पांच मिनट तक उबलने दें। इसमें नमक भी याद से डाल दीजि। अब आंच से उतारकर रख दें। अब साफ कपड़े से इस आलू से पानी को पोंछकर दस मिनट के लिए फ्रीजर में रख दीजिए।

कड़ाही में तेल डालकर गर्म कर लीजिए। गर्म होने पर इसमें आलू डालें और हल्के तल कर निकाल लीजिए। अब इसे दो मिनट तक ठंडा होने दीजिए और फिर से इसे गर्म तेल में डाल कर सुनहरा होने तक दोबारा तल लीजिए।

नमकीन क्रिस्पी फ्रेंच फ्राइ तैयार है। इसके उपर आप चाट मसाला डालकर और भी चटपटा बना सकते हैं। गर्मागर्म फ्रेंच फ्राइस को टॉमेटो सॉस और चाय के साथ सर्व करें।

शहर में कूडे के निपटान के लिए 8 करोड़ 37 लाख रुपए की लागत से लगेगा प्लांट-मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो सशक्त, समृद्ध तथा आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण में सहभागी बनना चाहता है, सरकार हर उस हरियाणवी के विकास के लिए सुशासन और पारदर्शिता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने रविवार को खरखौदा में विकास रैली को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सोनीपत के गांव सोहंटी और थाना कलां में 2 उप-स्वास्थ्य केंद्रों का शिलान्यास भी किया। इन दो विकास परियोजनाओं पर 1 करोड 10 लाख रुपए की लागत आएगी। मुख्यमंत्री ने खरखौदा में घोषणाओं की झड़ी लगाई और खरखौदा के विकास के लिए अलग से 5 करोड़ रुपए की राशि देने की घोषणा की। खरखौदा शहर में थाना चौक व दिल्ली चौक का सौंदर्यकरण किया जाएगा और मुख्य पार्क के लिए 8 करोड़ रुपए व स्टेडियम के जीर्णोद्धार के लिए 3.50 करोड रुपए देने की घोषणा की। शहर में कूडे के निपटान के लिए 8 करोड़ 37 लाख रुपए की लागत से प्लांट लगेगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि शहर में डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएगी। शहर में पीने के पानी के लिए 26 करोड़ 46 लाख रुपए की लागत से परियोजना का कार्य चल रहा है जो दिसम्बर 2026 तक पूर्ण हो जाएगा। इसके अलावा भूमि उपलब्ध होने पर रेस्ट हाउस व मल्टीस्टोरी पार्किंग बनाई जाएगी। खरखोदा विधानसभा क्षेत्र में पीडब्लूडी की 45 किलोमीटर लम्बाई की 9 सड़कों पर 28.30 करोड रूपए खर्च होंगें। इसी प्रकार 35 किलोमीटर लम्बाई की 6 सड़कों की मुरम्मत करवाई जाएगी। 175 किलोमीटर लम्बाई की 42 सड़के तथा मार्केटिंग बोर्ड की 31 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों को डीएलपी के तहत ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 465 लाख रुपए की लागत से 20 किलोमीटर लम्बाई की 7 सड़कों की रिपेयरिंग भी करवाई जा रही है और मुख्यमंत्री ने 25 किलोमीटर के कच्चे रास्तों को पक्का करवाने की भी घोषणा की।

विकास रैली को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा संकल्प पत्र अनुसार जल्द ही 2 लाख युवाओं को नौकरियां दी जाएगी जिसमें से 34 हजार युवाओं को नौकरियां दी जा चुकी है। नव वर्ष पर पुलिस व अन्य विभागों में युवाओं के लिए नौकरियां निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान का सम्मान, युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सुरक्षा और स्वावलंबन, बुजुर्गों को सम्मानजनक जीवन और गरीब को उनका अधिकार देने के लिए वचनबद्ध है। इसी सोच के साथ सरकार ने पिछले 11 वर्षों में हरियाणा को एक नई दिशा दी है। हम खरखौदा में भी विश्व स्तर का इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए कृत संकल्पित है और इसी को साकार करने के लिए कार्य कर रहे है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने 11 वर्षों के कार्यकाल में खरखौदा विधानसभा क्षेत्र में 2 हजार 81 करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्य करवाए हैं। इनमें आई.एम.टी., खरखौदा में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 1 हजार 27 करोड़ रुपये की लागत के करवाए गए विकास कार्य शामिल हैं।

होम्योपैथिक चिकित्सक डा यतींद्र नाथ को मिला पी वडगावकर हैनिमैन अवार्ड

संजना भारती संवाददाता

सिवान। जिले के सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डा यतींद्र नाथ सिन्हा को शुक्रवार को प्रतिष्ठित डा पी वडगावकर हैनिमैन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें कोलकाता के विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित

तीन दिवसीय ऑल इंडिया होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के स्वर्ण जयंती समारोह में दिया गया। समारोह का उद्घाटन पश्चिम बंगाल सरकार की स्वास्थ्य मंत्री चंद्रमा भट्टाचार्य ने किया। इस दौरान एचएमएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर श्यामल कुमार मुखर्जी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर रामजी सिंह और एमआरएडी बोर्ड एनसीएच के सदस्य डॉ आनंद चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डा यतींद्र नाथ सिंह को यह अवॉर्ड दिया।

गौरतलब है कि डाक्टर यतींद्र नाथ सिन्हा को यह सम्मान पिछले 54 वर्षों से होमियोपैथिक चिकित्सक के रूप में लगातार लोगों की सेवा करने और एचएमएआई संगठन के स्थापना काल 1975 से जुड़कर होम्योपैथिक साइंस एवं संगठन को मजबूती से आगे बढ़ाने में अभूतपूर्व योगदान के लिए दिया गया है। डाक्टर यतींद्र नाथ सिन्हा संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी भूमिका का निर्वाह कर चुके हैं। इससे पूर्व वर्ष 2017 में जर्मनी के लिप्सिंग में आयोजित 72 में इंटरनेशनल होम्योपैथिक कांग्रेस 2017 में डाक्टर साहब भारत के प्रतिनिधि मंडल में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने जर्मनी, स्विट्जरलैंड, लंदन सहित कई देशों का भ्रमण किया था।

डा यतींद्र नाथ सिन्हा के इस सम्मान से सिवान में उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। डाक्टर साहब के सहयोगी डा अनिल कुमार श्रीवास्तव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि डाक्टर साहब के सिवान आगमन पर उनका अभिनंदन किया जाएगा।

विधायक और जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर ने अटल स्मृति सम्मेलन में दी श्रद्धांजलि

संजना भारती संवाददाता

असंध। असंध विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की पावन स्मृति में 'अटल स्मृति सम्मेलन' एवं 'संयुक्त मंडल कार्यकारिणी' की बैठक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में असंध विधायक योगेन्द्र राणा और भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर ने मुख्य रूप से शिरकत की। दोनों नेताओं ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की और अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक योगेन्द्र राणा ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का राजनीतिक जीवन शुचिता, राष्ट्रवाद और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी की विचारधारा को जीवित रखा और भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाकर विश्व में मान बढ़ाया। विधायक ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अटल बिहारी के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए समर्पित रहें।

जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि संयुक्त मंडल कार्यकारिणी की यह बैठक आगामी सांगठनिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं और अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों को अपनाकर ही हम संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। लाठर ने सभी मंडल अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र नरवाल, मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन राम अवतार जिंदल, संजय राणा और जिला महामंत्री सुभाष कश्यप ने भी अपने विचार साझा किए और संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

करनाल में कांग्रेस ने धूमधाम से मनाया 140वां स्थापना दिवस

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल में कांग्रेस पार्टी ने अपना 140वां स्थापना दिवस उत्साह और जोश के साथ मनाया। जिला कांग्रेस कार्यालय के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एकत्र होकर ध्वजारोहण किया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने पार्टी के गौरवशाली इतिहास और विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष पराग गाबा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की स्थापना देश में लोकतंत्र, समानता, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के मार्ग से लेकर पंडित जवाहरलाल नेहरू के आधुनिक भारत के सपने, सरदार वल्लभभाई पटेल की राष्ट्रीय एकता, इंदिरा गांधी के ऐतिहासिक फैसलों और राजीव गांधी की दूरदर्शिता तक कांग्रेस पार्टी ने हर युग में देश को मजबूत नेतृत्व दिया है। पराग गाबा ने कहा कि आज देश महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की परेशानियों और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हो रहे हमलों जैसे गंभीर संकटों से गुजर रहा है। ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान बचाने, नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने और आम जनता की आवाज बुलंद करने का काम कर रही है। कांग्रेस की राजनीति जोड़ने की है, तोड़ने की नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर वर्ग गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक के हक और सम्मान की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक पूरी मजबूती से लड़ती रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। आजादी के बाद से देश के निर्माण और विकास में कांग्रेस की भूमिका ऐतिहासिक रही है।

इस अवसर पर सेवा दल अध्यक्ष अनिल शर्मा, ओबीसी जिला अध्यक्ष पंकज पाल, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रोहित जोशी एवं सचिन मंडल, पूर्व मंत्री भीम मेहता, एआईसीसी सदस्य कमल मान सहित अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कार्यक्रम में वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चर्चा की गई और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया गया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मानव सेवा ही सच्ची सेवा: रंजीता मेहता

चौकी गांव में जरूरतमंद परिवारों को कंबल किए वितरित

संजना भारती संवाददाता

पंचकूला। चौकी गांव में राजस्थान परिवार सेवा संस्थान द्वारा समाज के गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रंजीता मेहता पूर्व चेयरमैन हरियाणा बाल कल्याण परिषद एवं प्रदेश प्रवक्ता भारतीय जनता पार्टी हरियाणा ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान परिवार सेवा संस्थान के अध्यक्ष भैरू गिरी जी ने की। इस अवसर पर वार्ड पार्षद एवं मंडल अध्यक्ष राकेश वाल्मीकि तथा चंडीगढ़ खादी बोर्ड के सदस्य पवन शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक गजानंद शर्मा ने मुख्य अतिथि रंजीता मेहता का स्वागत करते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

अपने संबोधन में रंजीता मेहता ने कहा कि कड़ाके की ठंड के इस मौसम में जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरण करना सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना ही सेवा का वास्तविक उद्देश्य है। ऐसे कार्यक्रम न केवल जरूरतमंदों को राहत प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और भाईचारे की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। रंजीता मेहता ने राजस्थान परिवार सेवा संस्थान द्वारा निरंतर किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संगठनों की भूमिका समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से भी समाज सेवा से जुड़ने और सकारात्मक परिवर्तन लाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान चौकी गांव के बड़ी संख्या में जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरित किए गए। अंत में संस्थान के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, कार्यकताओं एवं स्थानीय ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, राजौंद में 'नवरस 2025' का भव्य आयोजन

वार्षिक उत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई कला, संस्कृति और अनुशासन की शानदार झलक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, राजौंद के प्रांगण में रविवार, 28 दिसम्बर को वार्षिक उत्सव नवरस 2025 का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह और भव्यता के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन कर उपस्थित अतिथियों व अभिभावकों का मन मोह लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के चेयरमैन श्री वीर करण सिंह राणा ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर छिपे नवरसों और उनकी स्वाभाविक प्रतिभा को पहचानकर उन्हें निखारना है। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन और आत्मविश्वास को जीवन में अपनाने पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री देवेंद्र चतर्भुज अत्री (विधायक, उचाना कलां) रहे, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमरपाल राणा (चेयरमैन, HSCARD बैंक) ने की। इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दिग्विजय सिंह ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नर्सरी व केजी के नन्हे बच्चों ने रंग-बिरंगी पोशाकों में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। हरियाणवी लोकनृत्य, पंजाबी ग्रुप डांस और कक्षा 7वीं-8वीं के छात्रों द्वारा प्रस्तुत महाभारत पर आधारित नाटक को दर्शकों ने खूब सराहा। कक्षा 3 के विद्यार्थियों ने योग के कठिन आसनों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, वहीं कक्षा 9 के छात्रों ने अनुशासन से भरपूर शानदार ड्रिल प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को मुख्य अतिथि एवं चेयरमैन महोदय द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह के अंत में विद्यालय के प्रिंसिपल श्री शीश पाल ने विद्यालय की शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। वहीं श्री मेघनाथ जी ने सभी आए हुए अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यालय स्टाफ का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

बनारस बार में उपाध्यक्ष पद पर राहुल श्रीवास्तव जीत की ओर अग्रसर

एसबी संवाददाता/रंजीत कुमार सिंह

वाराणसी। कचहरी में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। प्रत्याशी अधिवक्ताओं के चौकी चौकी जाकर अपना प्रचार कर रहे हैं। प्रत्याशियों के समर्थक भी अपने चहेते उम्मीदवारों को जितने के लिए खूब पसीना बहा रहे हैं।

एशिया में अधिवक्ताओं का सबसे प्राचीन बार दी बनारस बार एसोसिएशन में कई दिग्गज अपना भाग्य आजमा रहे हैं। इन्हीं में उपाध्यक्ष के पद पर अपना भाग्य आजमा रहे हैं फौजदारी/सिविल के जाने माने अधिवक्ता राहुल श्रीवास्त व राहुल ने विधि स्नातक की डिग्री हरिश्चन्द्र पीजी कॉलेज से प्राप्त किया है।

राहुल ने कानून की बारीकियां पूर्वांचल के ख्यातिलब्ध अधिवक्ता स्व. मोती लाल खत्री, संजय श्रीवास्तव, दीनानाथ सिंह और शैलेन्द्र सिंह से सीखीं है। अपने गुरूओं के पदचिन्हों पर चलते हुए राहुल ने भी वकालत में अपना एक अलग मुकाम हासिल किया है।

कचहरी के वरिष्ठ अधिवक्ताओं का आशीर्वाद भी राहुल को खूब मिल रहा है जिनमें सेन्ट्रल बार के पूर्व अध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव, बनारस बार के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र श्रीवास्तव, रामराजीव, अशोक सिंह दाढ़ी, बनारस बार के पूर्व महामंत्री अशोक सिंह, प्रभु नारायण पाण्डेय, सेन्ट्रल बार के पूर्व अध्यक्ष मुरलीधर सिंह, पूर्व महामंत्री सुरेन्द्र नाथ पांडेय, पं राजेन्द्र त्रिवेदी (राजू गुरु) आदि प्रमुख नाम है।

■ वरिष्ठ अधिवक्ताओं का मिल रहा है जोरदार समर्थन

अधिवक्ता राहुल श्रीवास्तव

निराश्रित बच्चों को दी जा रही है प्रति माह 2100 की वित्तीय सहायता: डीसी अपराजिता

एसबी संवाददाता

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा निराश्रित बच्चों को हर माह 2100 रुपये प्रति बच्चा (अधिकतम दो बच्चे) पेंशन प्रदान की जा रही है। इस स्कीम में 0 से 21 वर्ष तक की आयु के बच्चें, जो पिता की मृत्यु होने पर सहायता एवं देखभाल से वंचित रह जाते हैं। इसके अलावा पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने पर, माता-पिता की लंबी सजा होने के कारण या मानसिक व शारीरिक अक्षमता आदि होने पर निराश्रित हो जाते हैं। उन्हें इस पेंशन का लाभ दिया जाता है।

डीसी अपराजिता।

डीसी ने बताया कि उपरोक्त स्कीम का लाभ लेने के लिए पिता की मृत्यु का प्रमाण पत्र या पिता का 100 प्रतिशत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, 7 वर्ष या इससे अधिक गुमशुदगी की पुलिस रिपोर्ट/कोर्ट से तलाक/पति का दो वर्ष से अधिक कारावास में होने का प्रमाण पत्र होना चाहिए। इसके अलावा हरियाणा राज्य का स्थाई निवासी होने का दस्तावेज जैसे कि फोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड आदि की स्वयं सत्यापित फोटो प्रति सहित परिवार पहचान पत्र होने का प्रमाण पत्र आवश्यक है। प्रार्थी की सभी साधनों से वार्षिक आय 2 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि यदि बच्चे के माता-पिता या अभिभावक किसी भी सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहा है वो उपरोक्त स्कीम का लाभ नहीं ले पाएंगे। स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक प्रार्थी अपने नजदीकी अंत्योदय सरल केंद्र, अटल सेवा केंद्र सहित सीएससी केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं।

राजौंद मेन बाजार रहा बंद, व्यापारियों ने परिवार व सामाजिक जीवन को दिया महत्व: प्रधान भीम सिंह राणा

'बाला जी बाजार सेवा समिति' के निर्णय अनुसार महीने के अंतिम रविवार को स्वेच्छा से बंद रहा राजौंद में बाजार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद में महीने के अंतिम रविवार 28 दिसंबर को पूर्ण रूप से बाजार बंद रहा। यह बंद दुकानदारों की युनियन "बाला जी बाजार सेवा समिति" के प्रधान भीम सिंह राणा की अगुवाई में शांतिपूर्ण एवं स्वेच्छा से रखा गया। बाजार बंद को लेकर दुकानदारों व नागरिकों को पहले ही सूचना दे दी गई थी। सभी दुकानदारों की आपसी सहमति से यह निर्णय लागू किया गया है।

प्रधानः 'बाला जी बाजार सेवा समिति' भीम सिंह राणा।

प्रधान भीम सिंह राणा ने बताया कि मेन बाजार के दुकानदारों की यूनियन बाला जी बाजार सेवा समिति की समस्त कार्यकारिणी एवं बाजार के सभी दुकानदारों की बैठक में लिखित में यह फैसला लिया गया था कि प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को राजौंद का मेन बाजार बंद रखा जाएगा। प्रधान भीम सिंह राणा ने बताया कि इसकी सूचना मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी, जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, नपा प्रशासन राजौंद, थाना प्रभारी राजौंद को पहले ही लिखित में प्रेषित कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि व्यापार के साथ-साथ दुकानदारों का भी निजी जीवन होता है। परिवार, सामाजिक परिवेश, मित्रों और रिश्तेदारों के लिए समय निकालना भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि लगातार काम करने से मानसिक और शारीरिक थकान बढ़ती है, ऐसे में महीने में कम से कम एक दिन अवकाश रहने से दुकानदारों को राहत मिलेगी। इससे पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ेगी। प्रधान राणा ने सभी दुकानदारों का सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया।

महीने के चौथे रविवार को मेन बाजार राजौंद बंद। (छायाः एसबी)

बाजार बंद के दौरान मेन बाजार की सभी दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। स्थानीय नागरिकों ने भी इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि व्यापारियों का यह कदम सराहनीय है और इससे सामाजिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

खानपुर थाना में शिवपूजन कुमार ने नये थानाध्यक्ष के रूप में किया पदभार ग्रहण

संजना भारती संवाददाता

अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थाना में 2009 बैच इंस्पेक्टर शिवपूजन कुमार ने खानपुर थाना के नए थानाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। इंस्पेक्टर शिवपूजन कुमार ने थानाध्यक्ष के रूप में योगदान करते हुए उन्होंने ने बताया कि मेरी पहली प्राथमिकता थाना क्षेत्र में शांति स्थापित करना, अपराधियों व शराब कारोबारी पर पूरी तरह से लगाम लगाना, पीड़ित लोगों को न्याय दिलाना एवं पुलिस और पब्लिक के बीच अच्छा संबंध स्थापित करना यही मेरा पहली प्राथमिकता होगा।

वही उन्होंने इसके लिए क्षेत्र के आम लोगों से अपील किये की पुलिस को मदद करे ताकि अपराधियों व शराब कारोबारियों, एवं उपद्रवियों ससमय कारबाई हो सके। तथा उन्होंने आगे कहा कि किसी भी सूरत में शराब कारोबारियों व अपराधी एवं अशांति

फैलाने वाले बख्शे नहीं जाएगें। अच्छे लोगों का सम्मान करना व अशांति फैलाने वालों लोगों तथा आपराधिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। वही दिनांक-26/12/2025 को अपराह्न में 2009 बैच के इंस्पेक्टर शिवपूजन कुमार खानपुर थाना में नए थानाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करने पर खानपुर थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियो व बुद्धिजीवियों एवं आमजन ने खुशी व्यक्त किया है की खानपुर थाना में पहली बार 2009 बैच के नए थानाध्यक्ष बने है।

अब कम से कम अपराधियों, शराब कारोबारों व असमाजिक तत्वों पर लगाम लग सकेगा। जिससे खानपुर थाना क्षेत्र में अमनजैन एंव शांति व्यवस्था कायम होने की उमीद लग रहा है।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: 9871221635